आई एस एस एन 0971-9873

आई सी एम आर पत्रिका

वर्ष-26,अंक-10 अक्टूबर 2012

इस अंक में

- इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई जे एम आर): प्रकाशन के 100 वर्ष 85
- हिन्दी दिवस समारोह 88
- परिषद के समाचार 89
- परिषद की वित्तीय सहायता से संपन्न एवं भावी संगोष्ठियां/सेमिनार/कार्यशालाएं/पाठ्यक्रम/सम्मेलन 90

संपादक मंडल

अध्यक्ष — डॉ विश्व मोहन कटोच
महानिदेशक
भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद
एवं सचिव, भारत सरकार
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

सदस्य — डॉ बेला शाह

प्रमुख, प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग — डॉ विजय कुमार श्रीवास्तव

संपादक — डॉ कृष्णानन्द पाण्डेय
डॉ रजनी कान्त

प्रकाशक — श्री जगदीश नारायण माथुर

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई जे एम आर): प्रकाशन के 100 वर्ष

डॉ रजनी कांत

मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ मनुष्य समय-समय पर विभिन्न रोगों एवं संक्रमणों से ग्रस्त होता रहा है तथा उनके रहस्यों एवं उपचार विधियों का पता लगाने का जिज्ञासु रहा है । अत्यन्त प्राचीन काल से अथर्ववेद में भी विभिन्न रोगों तथा उनके उपचार का वर्णन किया गया है, तद्पश्चात चरक एवं सुश्रुत संहिता जैसे कालजयी ग्रंथों के माध्यम से समाज में व्याप्त प्रमुख रोगों, उनके कारणों तथा उपचार का उल्लेख किया गया । आधुनिक काल में ब्रिटिश साम्राज्य के भारत में प्रसार के साथ 19वीं शताब्दी के अन्त एवं 20वीं शताब्दी के प्रारम्भ में चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुसंधान कार्य किए गए, जिनमें सर रोनाल्ड रॉस द्वारा मलेरिया संचरण में एनॉफिलीज़ मच्छर की भूमिका के साथ-साथ प्लेग, कालाज़ार, क्षयरोग, कुष्ठरोग, पोषणज समस्याओं, हैज़ा आदि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध कार्य सम्पन्न हुए तथा क्रमबद्ध तरीके से उत्कृष्ट अनुसंधान संस्थानों की स्थापना की गई जिसमें वर्ष 1911 में स्थापित *'इंडियन रिसर्च फण्ड एसोसिएशन'* (जिसे वर्ष 1949 में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद अर्थात आई सी एम आर कर दिया गया) उल्लेखनीय उपलब्धि थी, जिसके फलस्वरूप भारत में स्वास्थ्य एवं जैवआयुर्विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा मिला तथा विभिन्न रोगों के रहस्यों का पता लगाने एवं उन पर काबू पाने के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए गए ।

जर्नल की स्थापना

वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं तथा नीति निर्धारकों द्वारा भारत में जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रही नवीन उपलब्धियों एवं अनुसंधान परिणामों को प्रकाशित करने के लिए एक जर्नल की आवश्यकता महसूस की गई, तथा 12 मार्च, 1913 को सम्पन्न *'इंडियन रिसर्च फंड एसोसिएशन'* की गवर्निंग बॉडी (शासी निकाय) की दूसरी बैठक में भारत में सम्पन्न अनुसंधान को प्रकाशित करने के लिए एक जर्नल को शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई । जर्नल का उद्देश्य वर्ष 1910 में स्थापित कसौली स्थित सेंट्रल मलेरिया ब्यूरो द्वारा प्रकाशित अर्धवार्षिक पत्रिका *पालुडिज्म* तथा भारत सरकार के मेडिकल एवं सेनेटरी विभाग के अफसरों द्वारा निकाले जाने वाले अन्य मोनोग्राफ्स जिन्हें *साइंटिफिक मेमॉयर्स* के रूप में जाना जाता था, को भी इसमें समाविष्ट करना था । इस प्रकार वर्ष 1913 में *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च* की शुरुआत हुई तथा इसका पहला अंक जुलाई, 1913 में प्रकाशित किया गया । प्रथम अंक में कुल 16 शोध पत्र प्रकाशित किए गए तथा इसका मुद्रण थाकर, स्पिंक ऐण्ड कम्पनी कोलकाता द्वारा किया गया एवं उसका मूल्य मात्र 2 रुपए था ।

तत्कालीन *इंडियन मेडिकल सर्विसेज़* के महानिदेशक सर पर्डी ल्युकिस इस जर्नल के प्रथम सम्पादक नियुक्त हुए तथा सर हरकोर्ट बटलर द्वारा इसका प्राक्कथन लिखा गया । जर्नल के सफल प्रकाशन में सर रोनाल्ड रॉस, सर डेविड सेम्पिल, सी.डोनोवन,

एस.आर. किस्टोफर्स, जैसे विख्यात वैज्ञानिकों का सहयोग प्राप्त था । साथ-साथ भारत सरकार के सेनेटरी कमिश्नर भी इसके साथ सम्बद्ध थे ।

प्रकाशन अवधि

जर्नल को शुरू में वर्ष 1913 -1957 तक त्रैमासिक प्रकाशन (वर्ष में चार अंक) के रूप में किया गया जिसका प्रकाशन जुलाई, अक्टूबर, जनवरी एवं अप्रैल माह में होता था । वर्ष 1958-1963 के बीच इसे दो माह में एक बार तथा वर्ष 1964 के बाद से इसे मासिक कर दिया गया, जो अभी भी बरकरार है । वर्ष 1989-93 के दौरान प्रयोग के तौर पर इसे 2 भागों में अर्थात सेक्शन ए-संक्रामक रोग एवं सेक्शन बी- संक्रामक रोगों के अलावा अन्य जैव आयुर्विज्ञान अनुसंधान में बांटा गया, किन्तु बाद में यह प्रक्रिया पूर्ववत कर दी गई ।

आई जे एम आर की अवधि

वर्ष	अवधि	वॉल्यूम सं.	माह
1913-1957	त्रैमासिक	1-45	जुलाई, अक्टूबर, जनवरी, अप्रैल *
1958-1963	दो माह में एक बार	46-51	जनवरी, मार्च, मई, जुलाई, सितम्बर, नवम्बर (प्रतिवर्ष एक वॉल्यूम)
1964-2012	मासिक	52-136	जनवरी-जून (वॉल्यूम 1) तथा † जुलाई-दिसम्बर (वॉल्यूम 2) (1977 से आज तक)

*वर्ष 1940 एवं 1943-46 के दौरान विश्व युद्ध के कारण लेखों की घटती संख्या के कारण इसे 6 माह में एक बार प्रकाशित किया गया ।
†1964—1976 —प्रतिवर्ष 1 वॉल्यूम (जनवरी—दिसम्बर)

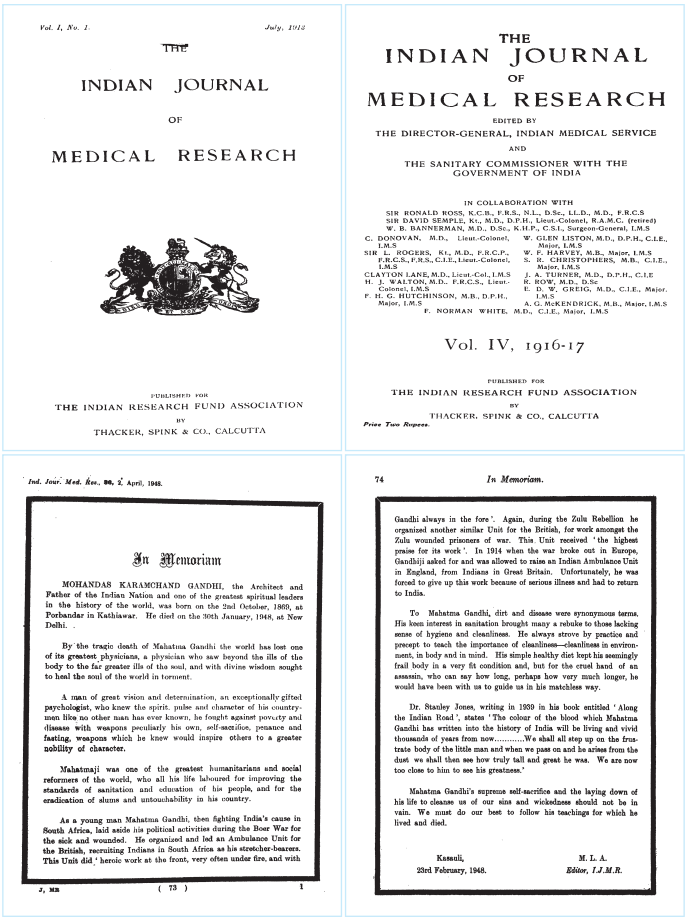

इतिहास के पन्नो से

स्मृति

30 जनवरी 1948 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की दुःखद मृत्यु की सूचना के पश्चात् राष्ट्र स्तब्ध एवं शोकाकुल था, जिन्होने भारत की स्वतन्त्रता की लड़ाई में अपना जीवन न्यौछावर करने के अलावा अपने स्वयं के तौर तरीकों से गरीबी, भुखमरी एवं व्याप्त रोगों के प्रति भी लड़ाई लड़ी थी । उन्होने स्वच्छता एवं साफ-सफाई के अभियान का भी बीड़ा उठाया । उनकी असामयिक एवं दुःखद मृत्यु के पश्चात उनकी स्मृतियां ''*इन मेमोरियम*'' शीर्षक से आई जे एम आर के अप्रैल 1948 (IJMR, 1948: 36(2): 73-74) अंक में प्रकाशित की गईं। इसके अतिरिक्त विभिन्न उत्कृष्ट वैज्ञानिकों जैसे सर पर्डी ल्युकिस, सर रोनॉल्ड रॉस, डॉ के.आर. आयंगर, डॉ टी.आर. राव, डॉ एस.पी. रामकृष्ण, डॉ एच.एम. भाटिया, प्रो. एस.आर. नायक, प्रो. ए.एस. पेंटल, डॉ विजय ढांडा, प्रो. वी. रामलिंगस्वामी आदि के संस्मरण भी समय-समय पर जर्नल में प्रकाशित किए गए ।

विशेष अंक/सप्लीमेंट्स/मेमॉयर्स

अनेक उतार एवं चढ़ाव के बावजूद जर्नल का प्रकाशन विगत 99 वर्षों से अनवरत जारी है, जो अब अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर गया है। इस अवधि के दौरान विभिन्न विषयों-जैसे क्यासानूर वन रोग, यकृतशोथ, स्ट्रेप्टोकोक्कल अनुसंधान, मलेरिया अनुसंधान के 100 वर्ष, आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर वर्ष 1954-2006 के दौरान जर्नल द्वारा कुल 18 सप्लीमेंट्स प्रकाशित किए गए तथा वर्ष 1964-2011 के बीच हैज़ा, डेंगू, चिकनगुन्या, मलेरिया, वयोवृद्धि, लीशमैनियता, धातु विषाक्तता, एचआईवी/एड्स जैसे ज्वलंत विषयों पर विशेष अंक के साथ मातृ एवं शिशु पोषण, हृद्वाहिकीय रोग अनुसंधान एवं हीमोग्लोबिन विकृतियों आदि पर विशेष सेक्शन प्रकाशित किए गए ।

साथ-साथ वर्ष 1924-1954 के दौरान विशेष विषयों पर विस्तृत लेख *इंडियन मेडिकल रिसर्च मेमॉयर्स* जो आई जे एम आर की सप्लीमेन्ट्री सीरीज़ थी, के रूप में 38 मेमॉयर्स का भी प्रकाशन किया गया ।

विशेष अंक

वर्तमान स्थिति

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च प्राचीनतम जैवआयुर्विज्ञानी जर्नलों में एक है तथा समय के साथ निरन्तर उतार एवं चढ़ाव के बावजूद यह अपनी स्थापना के लगभग 100 वर्ष पूरे होने के बाद अभी भी प्रमुख जैवआयुर्विज्ञानी जर्नलों में अग्रणी स्थान बनाए हुए है । यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सभी प्रमुख इंडेक्सिंग एवं एलर्टिंग सर्विसेज़ द्वारा इंडेक्स किया जाता है तथा इसकी निरन्तर प्रगति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका इम्पैक्ट फैक्टर वर्ष 2008 में 0.383 से बढ़कर वर्ष 2011 में 1.837 पहुंच गया है ।

विगत कुछ वर्षों में इसमें और कई सुधार किए गए जिसमें इसके कलेवर एवं साज-सज्जा में सुधार के साथ कमेन्ट्री, करेस्पॉण्डेंस,

आई जे एम आर का इम्पैक्ट फैक्टर एवं इमीडिएसी इंडेक्स

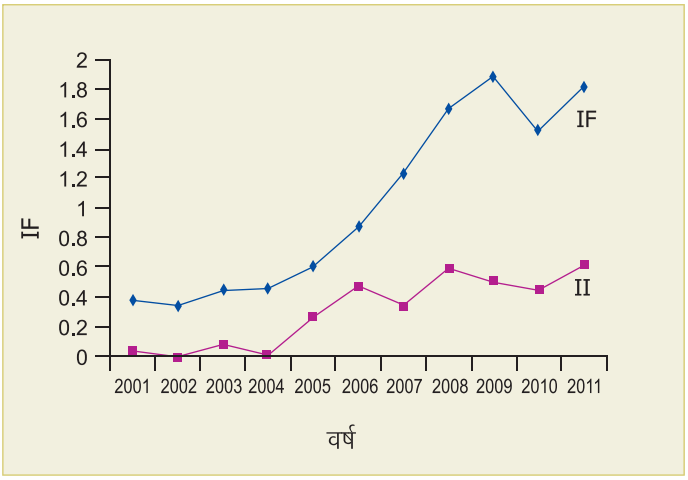

आई जे एम आर का इम्पैक्ट फैक्टर (IF) एवं इमिडेएसी इंडेक्स (II)

वर्ष 1913 के पश्चात आई जे एम आर में प्रयुक्त विभिन्न लोगो (चिन्ह)

Volume 1 (1913) to Volume 3 (1915-16)

Volume 4 (1916-17) to Volume 36 (1948)

Volume 37 (1949) to Volume 51 (1963)

Volume 52 (Jan 1964) to Volume 106 (July 1997)

Volume 107 (January 1998) till date

शताब्दी लोगो (2012–13)

क्लीनिकल इमेज़ेस, स्टुडेन्ट व्यू पांइन्ट जैसे नए स्तम्भ भी जोड़े गए । साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी में हुई नवीन क्रान्ति को देखते हुए इसके अंकों में वर्ष 1913 से प्रकाशित सभी लेखों को डिजिटाइज़ कराके सर्चेबल इंटरफेस में Pdf के रूप में उपलब्ध करा दिया गया है जो नवविकसित वेबसाइट *www.ijmr.in* अथवा *www.ijmr.org.in* से

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च के सम्पादक

वॉल्यूम 1-17	वर्ष 1913-1929	डी जी, इंडियन मेडिकल सर्वेसेज़ (IMS) एवं भारत सरकार के जनस्वास्थ्य कमिश्नर एवं सर रोनाल्ड रॉस, साथ में निदेशक, सी आर आई
वॉल्यूम 18-20	वर्ष 1930-1932	ब्रिवेट कर्नल. एस.आर. किस्टोफर्स
वॉल्यूम 21-31	वर्ष 1933-1943	ले.कर्नल जे.टेलर
वॉल्यूम 32-35	वर्ष 1944-1947	ले.कर्नल एच.डब्ल्यू. मुलीगन†
वॉल्यूम 36-43	वर्ष 1948-1955	ले.कर्नल एम.एल. आहूजा
वॉल्यूम 44-45	वर्ष 1956-1957	डॉ सी. बी. डीसिल्वा
वॉल्यूम 46-52	वर्ष 1958-1964	डॉ जे.बी. श्रीवास्तव
वॉल्यूम 53	वर्ष 1965	डॉ ए.के. थॉमस
वॉल्यूम 54-62	वर्ष 1966	ले.कर्नल एम.एल. आहूजा*
वॉल्यूम 62-64	वर्ष 1974-1976	डॉ एस. वी. आप्टे
वॉल्यूम 64-99	वर्ष 1976-1993	डॉ जी. वी. सत्यवती
वॉल्यूम 100-118	वर्ष 1994-2003	डॉ. एन. मेदप्पा
वॉल्यूम 118-134	वर्ष 2003-2011	डॉ के. सत्यनारायण
वॉल्यूम 135 से अब तक	वर्ष 2012 से अब तक	डॉ अंजू शर्मा

† वाल्यूम 34—ले. कर्नल डब्ल्यू.जी. वेबस्टर, * जुलाई अंक (डॉ ए.के. थामस)

प्राप्त किए जा सकते हैं, साथ-साथ प्रक्रिया में तेजी एवं पारदर्शिता लाने के लिए ऑनलाइन मैन्युस्क्रिप्ट सबमिशन एवं प्रोसेसिंग प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है ।

आई जे एम आर के कुछ कवर पेज

जुलाई 2012 से आई जे एम आर अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर गया है । शताब्दी वर्ष के दौरान इस जर्नल में प्रकाशित महत्वपूर्ण कालजयी (क्लासिक) लेखों को विभिन्न माह के दौरान पुनः प्रकाशित किया जाएगा, साथ-साथ आई जे एम आर में प्रकाशित अत्यधिक साइट किए गए शोध पत्रों के साथ, शताब्दी वर्ष विशेष लेख भी प्रकाशित किए जाएंगे । आई जे एम आर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अपने शोध संस्थानों तथा देश में हो रहे चिकित्सा अनुसंधान का दर्पण है, विगत वर्षों के दौरान इसमें प्रकाशित लेख इसका जीवन्त उदाहरण हैं ।

आशा है भविष्य में भी आई जे एम आर नई ऊंचाइयां हासिल करेगा तथा नए भावी मापदण्ड तय करेगा । आने वाले वर्षों में आई जे एम आर वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय को बेहतर से बेहतर चिकित्सीय विज्ञान सम्बन्धी सूचना के संप्रेषण में प्रयत्नशील बना रहेगा तथा नए मील के पत्थर स्थापित करेगा ।

यह लेख परिषद मुख्यालय के वैज्ञानिक 'डी' डॉ रजनी कांत से प्राप्त हुआ है।

हिन्दी दिवस समारोह : वाद- विवाद प्रतियोगिता

किराए की कोख : अभिशाप या वरदान

दिनांक 3 अक्टूबर, 2012 को परिषद मुख्यालय में प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग द्वारा **''किराए की कोख : अभिशाप या वरदान''** विषय पर एक वैज्ञानिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसमें परिषद मुख्यालय एवं दिल्ली स्थित संस्थानों से आए कुल 9 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा पक्ष एवं विपक्ष में वैज्ञानिक, सामाजिक, आर्थिक तथा संवेदनात्मक पहलुओं के साथ अपने विचार व्यक्त किए ।

डॉ कृष्णानन्द पाण्डेय, वैज्ञानिक 'ई' ने स्वागत सम्बोधन में कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों, वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों के साथ-साथ निर्णायकों, कार्यक्रम के अध्यक्ष तथा प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग के प्रमुख का स्वागत किया ।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के महानिदेशक के सलाहकार, श्री संजीव दत्ता द्वारा की गई । अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में बोलते हुए

श्री दत्ता ने कहा कि यह अत्यधिक महत्वपूर्ण एवं सामयिक विषय है, उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व में लोग भारत भ्रमण यहां कि सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर को देखने के लिए किया करते थे किन्तु हाल में मेडिकल टूरिज़्म के माध्यम से लोग किराए की कोख के लिए भी यहां आते हैं क्योंकि विदेश की तुलना में भारत में इस पर काफी कम खर्च होता है ।

नई दिल्ली स्थित जामिया हमदर्द, हमदर्द विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ श्रीधर द्विवेदी तथा डाइरेक्टरेट ऑफ नॉलेज मैनेज़मेन्ट इन एग्रीकल्चर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के वरिष्ठ सम्पादक डॉ जगदीप सक्सेना इस कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में उपस्थित थे ।

प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग के प्रमुख डॉ वी.के. श्रीवास्तव ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के महत्व तथा कार्यक्रम के आयोजन के विषय में विस्तार से बताया, उन्होंने स्पष्ट किया कि किन्हीं कारणवश परिषद के महानिदेशक एवं सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग डॉ विश्व मोहन कटोच उपस्थित नहीं हो सके हैं किन्तु उनके द्वारा भेजे गए शुभकामना संदेश का उन्होंने उल्लेख किया ।

परिषद मुख्यालय के कुल 6 तथा दिल्ली स्थित संस्थानों से आए कुल 3 वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने **''किराए की कोख : अभिशाप या वरदान''** विषय पर अपने-अपने मत व्यक्त किए । कुछ प्रतिभागियों ने इसके सकारात्मक पहलू का वर्णन किया, जैसे संतान रहित दम्पति जो किन्ही, चिकित्सीय या अन्य कारणवश इससे वंचित रह जाते हैं, को एक आशा की किरण के रूप में यह प्रौद्योगिकी सहायक हो सकती है तथा आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवार (महिला) इस प्रक्रिया द्वारा धन अर्जित करके अपने परिवार का भली-भांति पालन-पोषण कर सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ अन्य प्रतिभागियों ने इसके नकारात्मक पहलू जैसे कि मानव संवेदना, आनुवंशिक विरूपताएं अथवा अन्य सम्बद्ध पहलुओं की चर्चा करते हुए इसका विपरीत पक्ष प्रस्तुत किया ।

अत्यन्त रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता में स्पष्ट किए गए विचारों के पश्चात निर्णायकों द्वारा लिए गए निर्णय के आधार पर प्रथम

पुरस्कार परिषद मुख्यालय के वैज्ञानिक 'ई' एवं भारत-विदेश प्रभाग के प्रमुख डॉ मुकेश कुमार, द्वितीय पुरस्कार परिषद मुख्यालय के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ अजित मुखर्जी तथा तृतीय पुरस्कार नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक 'डी' डॉ पी.के.अतुल एवं इसी संस्थान के वैज्ञानिक 'ई' डॉ बी.एन.नागपाल एवं राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली के वैज्ञानिक 'सी' डॉ अतुल जुनेजा को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया ।

परिषद के वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रशासन) डॉ अरुण बरोका द्वारा पुरस्कारों एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया । डॉ रजनी कांत, वैज्ञानिक 'डी' के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ ।

परिषद के समाचार

परिषद के विभिन्न तकनीकी दलों/समितियों की नई दिल्ली में संपन्न बैठकें

एचआईवी/एड्स तथा यौन संचारित रोगों पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	4 सितम्बर, 2012
भारत तथा विदेश में पेटेन्टस की फाइलिंग तथा अनुरक्षण हेतु दिशानिर्देशों के सूत्रण पर बैठक	4 सितम्बर, 2012
वैज्ञानिक सलाहकार दल की मध्यावधि बैठक	5 सितम्बर, 2012
ए एम आर निगरानी कार्य नेटवर्क पर विशेषज्ञ दल की बैठक	5 सितम्बर, 2012
प्राकृतिक उत्पाद कंर्शोशियम पर विशेषज्ञ दल की बैठक	6 सितम्बर, 2012
पोषण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रोन्नत केन्द्र की नीतिविषयक समिति की बैठक	7 सितम्बर, 2012
नाशकजीवनाशी के स्वास्थ्य प्रभावों पर विशेषज्ञ दल की बैठक	7 सितम्बर, 2012
स्वास्थ्य मंत्रालय जांच समिति की बैठक	10 सितम्बर, 2012
भेषजगुणविज्ञान/पारम्परिक अनुसंधान चिकित्सा पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	11-12 सितम्बर, 2012
वैश्विक अनुसंधान में रुझान पर व्याख्यान	11 सितम्बर, 2012
मातृ स्वास्थ्य पर परियोजना पुनरीक्षण दल की बैठक	13 सितम्बर, 2012
डोडा जिले में जन्मजात बधिरता पर विशेषज्ञ दल की बैठक	13 सितम्बर, 2012
प्रजनन क्षमता नियमन एवं व्यापक गर्भनिरोधक विकल्पों पर परियोजना पुनरीक्षण दल की बैठक	17 सितम्बर, 2012
सूक्ष्मजीवनाशी पर विशेषज्ञ दल की बैठक	17-18 सितम्बर, 2012
ऑन-लाइन एक्स्ट्राम्युरल प्रि-प्रोपोजल्स पर जांच समिति	19 सितम्बर, 2012
जैवसूचना पर विशेषज्ञ दल की बैठक	19 सितम्बर, 2012
जैवसूचना केन्द्र तथा असंचारी रोग प्रभाग की परियोजना पुनरीक्षण समिति	20 सितम्बर, 2012
नैनोमेडीसिन पर विशेषज्ञ दल की बैठक	24 सितम्बर, 2012
शरीरक्रियाविज्ञान तथा अंग प्रत्यारोपण पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	27 सितम्बर, 2012
जन्मजात अवटु अल्पक्रियता तथा जन्मजात अधिवृषण अतिविकसन हेतु NTF-IMD नवजात जांच : एक बहुकेन्द्रीय अध्ययन की विशेषज्ञ दल की बैठक	27 सितम्बर, 2012
जीभ के कैंसर की उपसमिति की बैठक	28 सितम्बर, 2012
एच आई वी/एड्स पर डोज़ियर की बैठक	28 सितम्बर, 2012

परिषद की वित्तीय सहायता से संपन्न एवं भावी संगोष्ठियां/सेमिनार/कार्यशालाएं/पाठ्यक्रम/सम्मेलन

संगोष्ठियां/सेमिनार/कार्यशालाएं/पाठ्यक्रम/सम्मेलन	दिनांक एवं स्थान	सम्पर्क के लिए पता
मेडिकल आथ्रोपोडोलॉजी का छठा सम्मेलन : मुख्य विषय- रोगवाहक जन्य रोग नियंत्रण और भार आकलन	18-19 अक्टूबर, 2012 मदुरई	**डॉ बी.के. त्यागी** प्रभारी निदेशक आयुर्विज्ञान कीटविज्ञानी अनुसंधान केन्द्र मदुरई
मेडिकल नवाचार हेतु PH-D पर राष्ट्रीय कार्यशाला	18-19 अक्टूबर, 2012 कोल्हापुर	**डॉ बी.एम. तिवाले** आयोजक डी.वाई.पाटिल विश्वविद्यालय कोल्हापुर
पर्यावरणी मेडिसिन में माइलस्टोंस पर राष्ट्रीय मेडिसिन अपडेट-2012	22-23 अक्टूबर, 2012 पुणे	**कर्नल ए.एस.मेनन** सह आचार्य कायचिकित्सा विभाग आर्म्ड फोर्सेज़ मेडिकल कॉलेज एवं कमाण्ड अस्पताल पुणे
इण्डो-यूएस इमरजेंसी मेडिसिन समिट-2012	24-28 अक्टूबर, 2012 नासिक	**डॉ ए.एन.सूर्यकर** रजिस्ट्रार महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय नासिक
बाल गहन सुरक्षा कार्यशाला	26 अक्टूबर, 2012 जोधपुर	**डॉ राकेश जोरा** सह आचार्य बालरोगविज्ञान विभाग उमेद अस्पताल डॉ एस.एन.मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पताल जोधपुर
भारतीय मुखीय एवं मैक्जिलोफेसियल विकृतिविज्ञानी संस्था का 21वां राष्ट्रीय सम्मेलन	26-28 अक्टूबर, 2012 गोवा	**डॉ अनिता धूपर** आचार्य मुखीय एवं मैक्ज़िलोफेसियल पैथोलॉजी गोवा डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल गोवा
आपातकालीन स्वास्थ्य सुरक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी पर सम्मेलन	27-30 अक्टूबर, 2012 नई दिल्ली	**डॉ दीपक अग्रवाल** सह आचार्य स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़
जैवउपलब्धता वर्धक तकनीकों और नियामक पर सेमिनार	27 अक्टूबर, 2012 मेहसाना	**डॉ भूपेन्द्र जी. प्रजापति** सह आचार्य फार्मास्युटिक्स विभाग एस.के.पटेल कॉलेज ऑफ फार्मा एजूकेशन ऐण्ड रिसर्च मेहसाना

संगोष्ठियां / सेमिनार / कार्यशालाएं / पाठ्यक्रम / सम्मेलन	दिनांक एवं स्थान	सम्पर्क के लिए पता
इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज़ का 30वां वार्षिक सम्मेलन, तथा ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंस पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	28-30 अक्टूबर, 2012 अमृतसर	**डॉ गुरुचरन कौर** जैवप्रौद्योगिकी विभाग गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर
बोध के तंत्रिका शरीर क्रियाविज्ञान पर सैटलाइट संगोष्ठी	1-2 नवम्बर, 2012 बंगलौर	**डॉ लक्ष्मी टी.राव** सह आचार्य तंत्रिका शरीरक्रियाविज्ञान विभाग राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिकाविज्ञान संस्थान बंगलौर
किशोरवय के शरीरक्रियाविज्ञानी पहलुओं में शोध अवसरों पर सी एम ई	4 नवम्बर, 2012 अहमदाबाद	**डॉ राजुला त्यागी** सह आचार्य ए एम सी एम ई टी मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद
पारम्परिक औषध अनुसंधान एवं वैधीकरण में नवीन दिशाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन	5-6 नवम्बर, 2012 मैंगलोर	**डॉ यू. श्रीनिवास** सह आचार्य श्रीनिवास फार्मेसी कॉलेज मैंगलोर
पोषणज जानपदिक रोगविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार	5-9 नवम्बर, 2012 नई दिल्ली	**डॉ डी. प्रभाकरण** कार्यकारी निदेशक चिरकारी रोग नियंत्रण केन्द्र नई दिल्ली
अर्थवर्म पारिस्थितिकी और परिवेश पर तृतीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	9-11 नवम्बर, 2012 अगरतला	**डॉ प्रिय शंकर चौधरी** रीडर प्राणिविज्ञान विभाग त्रिपुरा विश्वविद्यालय अगरतला
सी एम ई पर एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के उत्तरी राज्य चैप्टर का 7वां वार्षिक सम्मेलन	17-18 नवम्बर, 2012 चण्डीगढ़	**डॉ डेज़ी साहनी** प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष एनाटॉमी विभाग स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़
मलेरिया अनुसंधान में जीनोमिक प्रौद्योगिकियों के प्रयोगों पर प्रयोगशाला प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	18 नवम्बर–2 दिसम्बर, 2012 नई दिल्ली	**डॉ अपरुप दास** वैज्ञानिक 'डी' राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली
प्रोटियोमिक्स पर अतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा प्रोटियोमिक्स सोसाइटी की चतुर्थ वार्षिक बैठक	20–24 नवम्बर, 2012 पुणे	**डॉ महेश जे. कुलकर्णी** वैज्ञानिक जीवरासायनिक विज्ञान विभाग राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला पुणे

संगोष्ठियां / सेमिनार / कार्यशालाएं / पाठ्यक्रम / सम्मेलन	दिनांक एवं स्थान	सम्पर्क के लिए पता
श्वसनी संक्रमणों में आण्विक नैदानिक विधियों पर हैण्ड्स ऑन प्रशिक्षण पर कार्यशाला	21 नवम्बर, 2012 दिल्ली	**डॉ मधु खन्ना** सह आचार्य श्वसनी विषाणुविज्ञान विभाग वल्लभभाई पटेल वक्ष संस्थान दिल्ली।
कंगारू मातृ सुरक्षा पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	22–25 नवम्बर, 2012 अहमदाबाद	**डॉ निखिल एम. खारूद** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष बालरोगविज्ञान विभाग प्रमुख स्वामी मेडिकल कॉलेज करमसद
आण्विक कोशिकानुवांशिकी (FISH, PRINS, PCR) : पुरुष प्रजनन पर राष्ट्रीय कार्यशाला	26 नवम्बर–1 दिसम्बर, 2012 नई दिल्ली	**डॉ आशुतोष हलदर** अतिरिक्त आचार्य प्रजनन जैविकी विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली
टेलीमेडिसिन सोसाइटी ऑफ इंडिया का 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	29 नवम्बर–1 दिसम्बर, 2012 कोइम्बटूर	**डॉ आर, किम** आयोजन सचिव अरविन्द नेत्र अस्पताल एवं स्नातकोत्तर संस्थान मदुरई
हाइपरटेंशन–बदलती प्रवृत्ति पर एक अपडेट पर संगोष्ठी	30 नवम्बर, 2012 चेन्नई	**डॉ जासमीन एस सुन्दर** जानपदिक रोगविज्ञान विभाग दि तमिलनाडु डॉ एम. जी. आर मेडिकल यूनिवर्सिटी चेन्नई
पैरासीटोलॉजी टुडे : फ्रॉम एनवाइरॉनमेंट ऐण्ड सोशॅल इंपैक्ट टु दि ऐप्लीकेशन ऑफ जिओइंफॉर्मैटिक्स पर संगोष्ठी	5–7 दिसम्बर, 2012 गुवाहाटी	**डॉ पी. सी. सरमा** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष परजीवीविज्ञान विभाग कॉलेज ऑफ वेटेरिनेरी साइंसेज गुवाहाटी
एक्यूपंक्चर एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 15वां राष्ट्रीय सम्मेलन	6–9 दिसम्बर, 2012 नई दिल्ली	**डॉ मनीश गुप्ता** एक्यूपंक्चर विभाग सर गंगाराम अस्पताल नई दिल्ली

तकनीकी सहयोग : श्रीमती वीना जुनेजा

आई सी एम आर पत्रिका भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की वेबसाइट www.icmr.nic.in पर भी उपलब्ध है

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्

सेमिनार/संगोष्ठियां/कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए परिषद द्वारा आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित प्रपत्र पर पूर्णतया भरे हुए केवल उन्हीं आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा जो सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला आदि के आरम्भ होने की तारीख से कम से कम चार महीने पूर्व भेजे जाएंगे।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के लिए मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स,
ए–89/1, नारायणा औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 028 से मुद्रित। पं. सं. 47196/87